Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 25

No. of Printed Pages – 11

S–121–Hindi(D & D)

यहाँ से काटिए

माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा, 2023

हिंदी

समय : 4 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिस प्रश्नों के **अ, ब, स, द, य, च** खण्ड हैं, उन सभी का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

प्र.1) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[10 × 1 = 10]**

i) तुलसीदास द्वारा रचित मुख्य ग्रन्थ है –

अ) भ्रमर गीत ब) रामचरित मानस

स) सूरसागर द) बादल

ii) श्री कृष्ण ने गोपियों को समझाने के लिए किसे भेजा?

अ) उद्धव को ब) सूरदास को

स) भ्रमर को द) अक्रूर को

iii) कवि देव का सम्बन्ध है –

अ) भक्तिकाल से ब) रीतिकाल से

स) आधुनिक काल से द) आदिकाल से

iv) 'अट नहीं रही' कविता में वर्णन है –

अ) फागुन की मादकता का ब) बादलों की सुन्दरता का

स) वर्षा का द) मानव जीवन का

v) कस्बे में किसकी मूर्ति लगी थी –

अ) नेताजी की ब) गाँधी जी की

स) नेहरू की द) पटेल की

vi) लखनवी अंदाज कहानी में वर्णन है –

अ) लखनउ के नवाब का
ब) हैदराबाद के निजाम का
स) टोंक के नवाब का
द) दिल्ली शहर का

vii) ''मानवीय करूणा की दिव्य चमक'' बताया गया है –

अ) लेखक को
ब) महात्मा गाँधी को
स) फादर बुल्के को
द) जयपुर को

viii) लेखिका मन्नू भण्डारी की पढ़ाई कहाँ हुई?

अ) जयपुर
ब) अजमेर
स) भानपुरा
द) दिल्ली

ix) 'माता का अंचल' पाठ में लेखक मछलियों को क्या खिलाता था –

अ) आटे की गोलियाँ
ब) मिट्टी की गोलियाँ
स) मिठाई की गोलियाँ
द) रोटी के टुकड़े

x) टुन्नू ने दुलारी को क्या दिया?

अ) बटुआ
ब) पर्स
स) साड़ी
द) कुर्ता

खण्ड – 'ब'

प्र.2) निम्नलिखित में से किसी एक अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [5]

सदाचार का शिष्टाचार से घनिष्ठ संबन्ध है। सदाचार सौजन्य की पूँजी है। सदाचार के बिना मनुष्य का जीवन निराधार होता है। शिष्टाचार बिना सदाचारी पुरूष भी जीवन के माधुर्य से वंचित हो जाता है। प्राचीन देशों में शिष्टाचार को उच्च स्थान दिया है। चीन में प्राचीन काल में शिष्टाचार के बड़े उच्च कोटि के नियम रहे हैं। हमारे देश में भी सदैव पारस्परिक व्यवहार में स्नेह, सदभाव दिखाई देता है। दूसरों की भावना का ध्यान रखते हुए किसी व्यक्ति को ठेस न पहुँचे ऐसा व्यवहार किया जाता रहा है।

1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

2) सदाचार किसकी पूँजी है?

3) किसके बिना मनुष्य का जीवन निराधार होता है?

4) किस देश में शिष्टाचार का उच्च स्थान रहा है?

5) हमारे देश में लोगों के व्यवहार में क्या दिखाई देता हैं?

अथवा

वृक्षों अथवा वनो से मानव को अनेक लाभ है। विज्ञान के परीक्षणों से सिद्ध कर दिया है कि वृक्ष सूर्य के प्रकाश में अत्यधिक मात्रा में ऑक्सीजन निकालते हैं तथा वायुमण्डल में उसे विकीर्ण करते है, जो मानव को श्वास लेने में सहायक होकर उसके रक्त को शुद्ध करके स्वस्थ बनाती है। वृक्षों को वर्षा कारक की संज्ञा दी गई है। भूगोल तथा विज्ञान हमें बतलाते हैं कि वृक्षों की सघन हरित पत्तियों में मेघों को आकृष्ट करने की शक्ति होती है। वृक्ष भूमिक्षरण को रोकने में भी सहायक होते हैं। हमें न केवल इनको नष्ट होने से बचाना चाहिए इन्हें लगाकर बढाना भी चाहिए।

1) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2) वृक्ष हमारे रक्त को शुद्ध करने में कैसे सहायक हैं?

3) भूमिक्षरण को रोकने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

4) वृक्ष सूर्य के प्रकाश में अत्यधिक मात्रा में क्या निकालते हैं –

अ) आक्सीजन ब) नाइट्रोजन

स) हाइड्रोजन द) कार्बन डाइऑक्साइड

5) वृक्षों की पत्तियों में किसे आकृष्ट करने की शक्ति होती है –

अ) पक्षियों को ब) मेघों को

स) सूर्य को द) पानी को

प्र.3) निम्नलिखित में से एक अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5]

पूर्व चलने के बटोही
बाट की पहचान कर ले ।
पुस्तकों में है नहीं
छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता
है न औरों की जबानी,
अनगिनत राही गए इस राह से,
उनका पता क्या पर गए कुछ
लोग इस पर छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर
भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ, पंथी
पूर्व चलने के बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

ख) राह से कितने लोग गए?

ग) पैरों की निशानी क्या बोलती है?

घ) बाट शब्द का अर्थ है –

अ) रास्ता ब) पहाड़

स) नदी द) खेत

ङ) पंथी शब्द का पर्यायवाची है –

अ) वृक्ष ब) रास्ता

स) राहगीर द) जमीन

अथवा

बड़ा कि छोटा कुछ काम कीजै,

परन्तु पूर्वापर सोच लीजै।

बिना विचारे यदि काम होगा,

कभी न अच्छा परिणाम होगा।

बिना विचारे जो करे

सो पाछे पछिताय।

काम बिगारे आपनो,

जग में होत हँसाय।

क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ख) कवि क्या सोचने के लिए कहता है?

ग) काम बिगड़ने से जग में क्या होता है?

घ) 'जग' शब्द का अर्थ है –

अ) पृथ्वी ब) आकाश

स) संसार द) धरती

ङ) छोटा कि बड़ा क्या कीजै

अ) काम ब) मित्र

स) बंदोबस्त द) क्रोध

खण्ड – 'स'

प्र.4) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए – **[8]**

1) हमारे राष्ट्रीय पर्व

2) मेरा प्रिय खेल

3) बेटी बचाओ बेटी पढाओ

4) होली

प्र.5) स्वयं को राजकीय उ.मा. विद्यालय उदयपुर की छात्रा माला गुप्ता मानते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को अपनी बहन की शादी में सम्मिलित होने के लिए तीन दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना–पत्र लिखिए। **[6]**

अथवा

स्वयं को कमल किशोर मानते हुए सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर को अंकतालिका में सुधार हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

खण्ड – 'द'

प्र.6) संज्ञा के प्रकार लिखिए। **[2]**

प्र.7) निम्न पंक्तियों में विशेषण छाँटकर लिखिए – **[2]**

i) घोड़ा तीव्र गति से दौड़ लगाता है।

ii) गाय का दूध मधुर एवं पाचक होता है।

प्र.8) निम्नलिखित वाक्यों अकर्मक एवं सकर्मक वाक्य छाँटिए – **[2]**

i) राम पुस्तक पढता है।

ii) श्याम गिरता है।

प्र.9) सर्वनाम को उदाहरण सहित समझाइए – **[2]**

प्र.10) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। **[2]**

i) यह नाटक बहुत अच्छी है।

ii) पिताजी आ रहा है।

खण्ड – 'य'

प्र.11) निम्नलिखित में से किसी एक पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5]

छाया मत छूना

मन, होगा दु:ख दूना।

जीवन में है सुरंग सुधियाँ सुहावनी

तन सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली–सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण

क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

ख) कवि ने छाया छूने से मना क्यों किया।

ग) चाँदनी को देखकर कवि को किसकी याद आती है?

घ) उपर्युक्त काव्यांश में से रात शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

ङ) उपर्युक्त पद्यांश में से कुसुम शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

अथवा

कितना प्रामाणिक था उसका दु:ख

लड़की को दान में देते वक्त

जैसे वही उसकी अन्तिम पूँजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास तो होता था।

लेकिन दु:ख बाँचना नहीं आता था।

पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ख) 'पाठिका थी धुँधले प्रकाश की' यहाँ कवि आशय लिखिए।

ग) काव्यांश में लड़की को कैसा कहा गया है?

घ) पद्यांश में सुख का विलोम शब्द है।

ङ) 'उजाला' शब्द का पर्यायवाची पद्यांश में से छाँटिए।

प्र.12) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [5]

गाड़ी छूट रही थी। सैकण्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनउ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे–चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकान्त चिन्तन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है यह भी कहानी के लिए सूझ की चिन्ता में हों या खीरे–जैसी वस्तु का शौक करते देखे जाने का संकोच हो।

क) लेखक सैकण्ड क्लास डिब्बे में क्या सोचकर चढ़ा?

ख) डिब्बे में पहले से कौन बैठा था?

ग) लेखक के डिब्बे में आने के बाद सज्जन की क्या प्रतिक्रिया हुई?

घ) 'दुर्जन' शब्द का विलोम उपर्युक्त गद्यांश में से छाँटकर लिखिए।

ङ) 'निर्जन' शब्द का अर्थ लिखिए।

अथवा

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत सुनने जैसा है। उनको देखना करूणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फादर बुल्के थे। हमारे हँसी–मजाक में वे निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते हैं और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वे बड़े भाई और पुरोहित खड़े हो हमें आशीषों से भर देते। मेरे अपने बच्चे के मुख में फादर का पहली बार अन्न डालना याद आता है।

क) फादर को याद करना कैसा लगता है?

ख) लेखक एवं फादर किस प्रकार रिश्ते में बँधे थे?

ग) घरों के उत्सव में फादर कैसे सम्मिलित होते थे?

घ) प्रसन्न शब्द का विलोम लिखिए।

ङ) दिवस का पर्याय लिखिए।

प्र.13) 'उत्साह' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

यह दंतुरित मुसकान कविता का सार लिखिए।

प्र.14) कुछ पुरातनपंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे। द्विवेदी जी ने क्या–क्या तर्क देकर स्त्री–शिक्षा का समर्थन किया? [3]

अथवा

बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

प्र.15) राम एवं लक्ष्मण के स्वभाव में अन्तर लिखिए। [2]

प्र.16) कवि देव ने चाँदनी रात का वर्णन किस प्रकार किया है? [2]

प्र.17) माँ ने बेटी को क्या सीख दी? [1]

प्र.18) कैप्टन के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [1]

प्र.19) टुन्नू और दुलारी क्या करते थे? [1]

प्र.20) भगत ने बेटे की मृत्यु के बाद पुत्रवधू के लिए क्या निर्णय लिया? [1]

प्र.21) टुन्नू और दुलारी क्या थे? [1]

खण्ड – 'च'

प्र.22) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[6]**

i) माता का अँचल पाठ के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के खेलों के बारे में लिखिए।

ii) दिल्ली की काया क्यों पलटने लगी थी?

iii) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान कैसे दिया?

प्र.23) जार्ज पंचम की नाक लगाने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे? **[1]**

प्र.24) कठोर हृदयी समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर क्यों विचलित हो उठी? **[1]**

प्र.25) निम्नलिखित में से किसी एक का जीवन परिचय लिखिए। **[2]**

क) तुलसीदास

ख) जयशंकर प्रसाद

ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

❄ ❄ ❄

DO NOT WRITE ANYTHING HERE